अगम अगोचर तेरा अंत न पाया

अगम अगोचरा तेरा अंत ना पाया

अंतो ना पाया किनै तेरा अपना आप भी जानया

जीव ए जंतु सब ख्याल तेरा किया को आख वखना ए

आखहि ता वैखेह सब तोहे जिन जगत उपाया

कहे नानक तो सदा अगम है अत ना पाया